

क्या मोहन भागवत, मोदी से सीधी लड़ाई चाहेंगे, नये पार्टी अध्यक्ष के प्रश्न पर?

जब तक मोदी प्र.मंत्री हैं, मोहन भागवत अपने उम्मीदवार संजय जोशी को शायद भाजपा के अध्यक्ष के रूप में नहीं देख पायेंगे

—रेणु मिश्रा—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। आर.एस.एस. और भाजपा नेतृत्व के बीच चल रहे तनावपूर्ण संबंध अब भाजपा अध्यक्ष पद को लेकर तीव्र रसाकशी का रूप ले चुके हैं। पार्टी अध्यक्ष पद से जे.पी. नड्डा के रिटायरमेंट के बाद, भाजपा और आर.एस.एस. अगले पार्टी अध्यक्ष के चयन के मामले में परस्पर पूर्ण रूप से सहमत नहीं हैं। इसलिये नये अध्यक्ष के मिलने तक नड्डा इस पद पर बने हुये हैं। राजनैतिक हलकों में ऐसी अटकलें जोंरें पर हैं कि आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत पार्टी अध्यक्ष पद पर संजय जोशी को प्रतिष्ठित किये जाने पर पूरा जोर दे रहे हैं, किन्तु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस व्यक्ति से घोर नफरत है। भाजपा सुर्जों का कहना है कि मोदी और शाह, जोशी को किसी भी प्रकार स्वीकार नहीं करेंगे। जोशी एक ऐसे नेता बन गए हैं, जिनकी भाजपा और आर.एस.एस. में बहुत माँग है तथा कार्यकर्ता, नेता, मंत्री तथा अन्य लोग उनसे मिलने की कतार

- अगर भागवत, संजय जोशी को पार्टी अध्यक्ष बनवाने में सफल हो गये तो, भागवत जानते हैं कि इससे पार्टी में विभाजन भी हो सकता है।
- अतः कई और नाम चलाये जा रहे हैं, जैसे नितिन गडकरी, वसुंधरा राजे। पर, इन नामों में से किसी भी नाम पर आम सहमति नहीं बन रही है। अतः रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का नाम चलाया गया है। पर, वे एक कमजोर व्यक्ति माने जाते हैं, अतः दोनों खेमों का मानना है कि राजनाथ सिंह किसी भी खेमे का राजनीतिक एजेंडा पूरा नहीं कर पायेंगे।
- अगर भाजपा चार राज्यों में विधानसभा चुनाव हार जाती है तो कमजोर पी.एम. अपनी जिद पर नहीं अड़ पायेंगे, अतः इन हालात में संजय जोशी भाजपा अध्यक्ष बन सकते हैं।
- साथ ही मोदी-शाह द्वय आर.एस.एस. के प्रिय, यू.पी. के मु.मंत्री योगी आदित्यनाथ को भी यू.पी. के मु.मंत्री पद से हटाने की मुहिम और सक्रिय कर सकते हैं।
- अतः भाजपा के नये अध्यक्ष की गुथी सुलझती नजर नहीं आ रही है और तब तक नड्डा एक्सटेंशन पर चलते रहेंगे।

में लगे रहते हैं। यह तो स्पष्ट है कि उन्हें आर.एस.एस. के शीर्ष नेतृत्व का पूर्ण समर्थन प्राप्त है, लेकिन सवाल यह है कि, मोहन भागवत, मोदी के साथ इस हद तक खुले टकराव की स्थिति तक पहुँच जायेंगे क्योंकि वे प्रधानमंत्री के रूप में भाजपा को तोड़ने का जोखिम भी उठा सकते हैं। भाजपा नेताओं का कहना है कि मोदी पलटवार करते हुये, आर.एस.एस. के चहेते योगी आदित्यनाथ को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद से हटा सकते हैं और इस बात को मोहन भागवत बिल्कुल नहीं चाहेंगे। भाजपा अध्यक्ष पद के लिये कई नाम चर्चा में हैं, जैसे- राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया, नितिन गडकरी आदि, लेकिन इन नामों पर भाजपा तथा आर.एस.एस. का शीर्ष नेतृत्व परस्पर एकमत नहीं है। एक संभावना और भी चर्चा में तथा विचारार्थी है- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मोदी तथा भागवत, दोनों के ही निकट हैं। लेकिन राजनाथ सिंह एक कमजोर व्यक्ति हैं तथा यह भी हो सकता है कि (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को बीस साल की सजा

जयपुर, 4 अक्टूबर। पाँक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 महानगर प्रथम ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त युवक को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने अभियुक्त पर चालीस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी मीना अवस्थी ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने पीड़िता के साथ

■ **अभियुक्त धर्म भाई बनकर पीड़ित परिवार के साथ रहता था। उसने नशीला पानी पिलाकर पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया।**

जबरन दुष्कर्म किया है। यदि इसमें पीड़िता को सहमति भी होती तो भी यह अपराध ही श्रेणी में माना जाता, क्योंकि नाबालिग की सहमति कानून में कोई महत्व नहीं रखती है। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक राजेश श्योरान ने अदालत को बताया कि मामले में पीड़िता (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तिरुपति प्रसादम प्रकरण की जाँच के लिए एस.आई.टी. गठित की सुप्रीम कोर्ट ने सी.बी.आई. के डायरेक्टर के सुपरविज़न में एस.आई.टी. जाँच करेगी

—डॉ. सतीश मिश्रा—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट ने तिरुपति के प्रसादम (लड्डू) में इस्तेमाल होने वाले घी में पशु चर्बी की मिलावट की जाँच के लिए स्वतंत्र स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एस.आई.टी.) गठित करने का फैसला सुनाया है।

जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की बेंच ने आदेश दिया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त एस.आई.टी. आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा गठित एस.आई.टी. से इस मामले की जाँच टेक ओवर करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने सी.बी.आई. निदेशक से इस एस.आई.टी. में दो अफसर नियुक्त करने को कहा है। दो अफसर आंध्र प्रदेश पुलिस से लिए

- जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की बेंच ने कहा कि कोर्ट द्वारा गठित एस.आई.टी. आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा पूर्व में गठित एस.आई.टी. से जाँच टेक ओवर करेगी।
- सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर 5 सदस्यीय एस.आई.टी. में दो सदस्य सी.बी.आई. से, दो सदस्य आंध्र प्रदेश पुलिस से होंगे, पाँचवे सदस्य के रूप में फूड सेफ्टी एण्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष को मनोनीत किया गया है।

जाएँगे और पाँचवा अफसर फूड सेफ्टी एण्ड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफ.एस.एस.आई.) से लिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सी.बी.आई. निदेशक जाँच की निगरानी करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में

जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की बेंच ने कहा कि कोर्ट द्वारा गठित एस.आई.टी. आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा पूर्व में गठित एस.आई.टी. से जाँच टेक ओवर करेगी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर 5 सदस्यीय एस.आई.टी. में दो सदस्य सी.बी.आई. से, दो सदस्य आंध्र प्रदेश पुलिस से होंगे, पाँचवे सदस्य के रूप में फूड सेफ्टी एण्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष को मनोनीत किया गया है।

जाएँगे और पाँचवा अफसर फूड सेफ्टी एण्ड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफ.एस.एस.आई.) से लिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सी.बी.आई. निदेशक जाँच की निगरानी करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में

क्षत्रप

—जाल खंबाता—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। हरियाणा के दलित नेता अशोक तर्वर की कांग्रेस में वापसी कोई अपवाद नहीं है। यह वही

- जब केन्द्रीय सत्ता कमजोर होती है तो क्षत्रप मनमानी करते हैं।

कहानी है कि जब भी केन्द्रीय नेतृत्व कमजोर हो जाता है तो अवसरवादियों (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा छोड़ कांग्रेस में क्यों लौटे तँवर

—जाल खंबाता—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। पूर्व

- कांग्रेस छोड़कर पहले आप और फिर भाजपा में जाने वाले दलित नेता अशोक तँवर ने कांग्रेस में वापसी पर कहा कि भाजपा की बाबा साहेब अम्बेडकर और संविधान में आस्था नहीं है, इसलिए वे कांग्रेस में लौटे आए हैं।

कांग्रेस सांसद डॉ. अशोक तँवर ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने भाजपा इसलिये छोड़ी, क्योंकि उसका बाबा साहेब अम्बेडकर और संविधान में कोई (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाराष्ट्र के डिप्टी स्पीकर तीसरी मंजिल से कूदे

महाराष्ट्र, 04 अक्टूबर। महाराष्ट्र के मंत्रालय में अजित पवार गुट के विधायक और विधानसभा के डिप्टी स्पीकर उपाध्यक्ष नरहरि शिरवल मंत्रालय की तीसरी मंजिल से कूद गए छत से कूदे नरहरि और सुरक्षा जाली पर अटक गए। शिरवल के बाद कुछ और आदिवासी विधायक भी कूद गए। हालाँकि, नीचे जाली रहने के कारण सभी को जान बच गई। शिरवल घनगर समाज को एस.टी. कोटे से आरक्षण का विरोध कर रहे हैं। नरहरि शिरवल महाराष्ट्र विधानसभा के उपाध्यक्ष हैं और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सदस्य हैं।

बता दें कि आज महाराष्ट्र के आदिवासी समाज के विधायक मंत्रालय में आंदोलन कर रहे हैं। इस दौरान विधायक मंत्रालय के दूसरी मंजिल पर लगाई गई सुरक्षा जाली पर कूद पड़े और नारेबाजी करने लगे। पुलिस ने विधायकों को सुरक्षा नेट से हटा दिया है।

बताया जा रहा है कि वे एकनाथ शिंदे सरकार की तरफ से घनगर समाज को एसटी का दर्जा दिए जाने के फैसले के खिलाफ हैं। वे अपनी ही सरकार के फैसले का विरोध कर रहे हैं।

मालदीव के राष्ट्रपति 7 से 10 अक्टूबर तक भारत यात्रा पर

नयी दिल्ली, 04 अक्टूबर। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू 07 अक्टूबर से भारत आ रहे हैं वे 10 तक रहेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को यहाँ नियमित ब्रीफिंग में कहा, मालदीव गणराज्य के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू 07 अक्टूबर 10 अक्टूबर तक राजकीय यात्रा पर

- विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की यह भारत की पहली द्विपक्षीय यात्रा है।

भारत आएंगे। वह 06 अक्टूबर की देर शाम नयी दिल्ली पहुँचेंगे। यह उनकी भारत की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। उन्होंने कहा कि इससे पहले वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए इसी वर्ष जून में भारत आए थे।

मां-बेटी ने घर में बंद होकर आदमखोर पैंथर से जान बचाई

सरिस्का, रणथम्भौर और केवलादेव के अधिकारी भी सर्च टीम में शामिल हुए

- गोगुंदा क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे पैंथर के हमलों से ग्रामीणों में वन विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ भारी गुस्सा नजर आ रहा है।
- गोगुंदा के खेड़ा गांव में गुरुवार को फिर से पैंथर का मूवमेंट देखा गया। पैंथर ने मां-बेटी पर हमला करने की कोशिश की, पर, उन्होंने घर में बंद होकर अपने को बचा लिया। पैंथर मुर्गियों का शिकार करके चला गया।

उदयपुर, 4 अक्टूबर (कास)। उदयपुर जिले के गोगुंदा-बड़गांव उपखंड की तीन पंचायतों के गांवों में आदमखोर पैंथर का आतंक इतना बढ़ गया है कि अब ग्रामीणों का सन्न भी टूटने लगा है। आदमखोर पैंथर ने पहला शिकार 9 सितंबर को किया था उसे अब तक 15 दिन बीत चुके हैं। ग्रामीण हर पल मौत के साए में जी रहे हैं। इधर, इन 15 दिन में वन विभाग, पुलिस और प्रशासन आदमखोर पैंथर को पकड़ने या शूट करने में नाकाम साबित हुआ है। गुरुवार देर रात भी एक मां-बेटी आदमखोर पैंथर का शिकार होने से बाल-बाल बच गईं। दोनों ने घर बंद कर अपनी जान बचाई। वहीं, 9 लोगों को मार चुके आदमखोर पैंथर को पकड़ने के लिए अब शूटर्स की नई टीम बनाई गई है। सरिस्का, रणथम्भौर और केवलादेव के अधिकारियों को इसमें शामिल किया गया है। टीम को वाइल्डलाइफ सी.सी.एफ. टी. मोहन राज लीड करेंगे। आदमखोर पैंथर को घेरने के लिए पूरे एरिया में वन विभाग के 50 से अधिक कर्मचारी और 12 शूटर्स एक सप्ताह से पैंथर को ट्रैकुलाइज करने की कोशिश में लगे हैं।

जिले के गोगुंदा और झाडोल एरिया में बीते करीब 15 दिन से पैंथर लगातार हमले कर रहा है। यहाँ के चार से ज्यादा गांवों में दहशत है और ग्रामीणों में वन विभाग व प्रशासन के खिलाफ गुस्सा है।

गुरुवार शाम को भी लोगों ने विभागीय कर्मचारियों पर पथराव किया था। गोगुंदा के खेड़ा गांव में पैंथर का गुरुवार रात को फिर से मूवमेंट देखा गया है। रात करीब नौ बजे पूनाराम गमैती के घर के बाहर पैंथर ने एक मां-बेटी पर अटक करने की कोशिश की, लेकिन दोनों ने खुद को घर में बंद कर जान बचाई। कुछ देर बाद ग्रामीणों के आने पर परिवार बाहर निकला तो पता चला कि पैंथर मुर्गियों का शिकार कर चला गया है। ये गांव कुडाऊ से 3 किलोमीटर की दूरी पर है, जहाँ 25 सितंबर की रात आदमखोर पैंथर ने 5 साल की बच्ची सूरज का शिकार किया था।

मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक पवन उपाध्याय ने बताया कि पैंथर को शूट करने के लिए शुक्रवार से स्पेशल ऑपरेशन शुरू किया गया है। दो टीमों फील्ड में सक्रिय हैं। पहली टीम 4 से 6 अक्टूबर तक गोगुंदा में रहेगी। टीम को सी.सी.एफ. वाइल्डलाइफ जयपुर टी.

मोहन राज लीड कर रहे हैं। इनके साथ टीम में सरिस्का फील्ड डायरेक्टर संग्राम सिंह और रामगढ़ विधायी डी.सी.एफ. संजीव शर्मा हैं। मुख्य वन संरक्षक उदयपुर सुनील छित्री ने बताया कि स्पेशल ऑपरेशन चलाने के लिए ई.आर. टी. टीम गोगुंदा पहुँच चुकी है। इनके नेतृत्व में ऑपरेशन के लिए रणनीति बनाई गई है। जल्द ही पैंथर को पकड़ लिया जाएगा। इसके लिए उसे ट्रैकुलाइज किया जाएगा, यदि वह पकड़ में नहीं आता है तो उसे शूट कर देंगे। यदि इस टीम को सफलता नहीं मिलती है तो दूसरी टीम 7 से 9 अक्टूबर स्पेशल ऑपरेशन चलाएगी। दूसरी टीम में ए.पी. सी. एफ. वाइल्ड लाइफ राजेश गुप्ता, रणथम्भौर के फील्ड डायरेक्टर अनूप केआर और केवलादेव नेशनल पार्क भरतपुर के डी.सी.एफ. मानस सिंह शामिल हैं। ये 7 अक्टूबर को गोगुंदा आएंगे। इधर गोगुंदा क्षेत्र में लगातार बढ़ते (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारतीय वायुसेना अपना सारा सामान देश में बनायेगी

भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में चीन का भी जिक्र किया

- वायुसेना अपनी जरूरत का सभी सामान भारत में ही बनाने पर विचार कर रही है। इस काम को पूरा करने के लिए वायुसेना ने समय भी तय किया है
- वायुसेना के प्रमुख, एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने बताया कि इस निर्णय को पूरा करने के लिये 2047 तक की समय सीमा तय की गई है।

दौरान वायुसेना के प्रमुख ने कहा कि भविष्य की किसी भी सुरक्षा चुनौती से निपटने के लिए स्वदेशी हथियार प्रणालियों का होना जरूरी है। उन्होंने बताया कि भारतीय वायुसेना 2047 तक अपने सभी सामान का उत्पादन भारत में ही करने पर विचार कर रही है। आपको बता दें कि हर साल 8 अक्टूबर को वायुसेना दिवस मनाया जाता है। भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में चीन का भी जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एल.ए.सी. पर बुनियादी ढाँचे का निर्माण काफी तेजी से कर रहा है। चीन, खासकर लहाइ सेक्टर में ये काम ज्यादा कर रहा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के एक सवाल का जवाब देते हुए वायुसेना प्रमुख ने बताया कि रूस ने भारत को एस-400 मिसाइल सिस्टम की तीन यूनिट की आपूर्ति कर दी है।

इजरायल के जवाबी हमले में हिजबुल्लाह व हमास के नये चीफ मारे गये

इजरायल ने बरेत एयरपोर्ट के पास देर रात हमला किया। हमास प्रमुख जही यासर औफी को मार गिराने का दावा किया। हिजबुल्लाह के वरिष्ठ अधिकारी हाशेम सफीदीन को मार दिया गया।

- सफीदीन वह व्यक्ति हैं, जिसे हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह का उत्तराधिकारी माना जाता है। इस मामले पर किसी भी पक्ष की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया।

आतंकवादी की पहचान जही यासर अब्द अल-रजेक औफी के रूप में की गई। वहीं, एक्सप्रेस के रिपोर्टर बराक रविद ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में इजरायली खोत का हवाला देते हुए कहा कि बरेत पर इजरायली हमले में वरिष्ठ हिजबुल्लाह अधिकारी हाशेम सफीदीन को निशाना बनाया गया। सफीदीन वह व्यक्ति हैं, जिसे हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह का उत्तराधिकारी माना जाता है। इस मामले पर किसी भी पक्ष की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया।

इजरायल ने अब तक यह तय नहीं किया है कि ईरान के हमले का जवाब कैसे देना है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन यह साफ कर चुके हैं कि अगर इजरायल ईरान के परमाणु स्थलों पर हमला करता है तो अमेरिका इसका समर्थन नहीं करेगा। हालाँकि, जब बाइडन से पूछा गया कि क्या इजरायल ईरान के तेल कुओं पर हमला करने वाला है तो उन्होंने कहा कि वह इस पर सार्वजनिक रूप से बात नहीं करेंगे। बाइडन के बयान से तेल की कीमतों में उछाल आया है।